

**गजेंद्र** पुं. (तत्.) 1. ऐरावत 2. बड़ा हाथी, गजराज  
2. इन्द्रद्युम्न नामक राजा जो अगस्त्य मुनि के शाप से हाथी हो गया था और ग्राहग्रस्त होने पर भगवान को याद कर शाप मुक्त हुआ।

**गजेंद्र गुरु** पुं. (तत्.) संगीत में रुद्रताल का एक भेद।

**गजेटियर** पुं. (अं.) सरकार की ओर से प्रकाशित परिचायक सामयिक पत्र जैसे- उत्तर प्रदेश गजेटियर/बनारस गजेटियर

**गट** पुं. (अनु.) दे. गट्ट किसी तरल पदार्थ को निगलने में होने वाली आवाज।

**गटकना** स.क्रि. (अनु.) 1. निगलना 2. उदरस्थ करना 3. हड़पना, दबा लेना।

**गटकीला** वि. (देश.) निगल जाने वाला, खा जाने वाला।

**गटगट** पुं. (अनु.) किसी पदार्थ को कई बार करके निगलने या घूँट-घूँट पीने में गले से उत्पन्न होने वाला शब्द क्रि. वि. गटगट शब्द सहित। धड़ाधड़, लगातार जैसे- कर्नल साहब देखते देखते सारी बोतल गटगट खाली कर गए।

**गटपट** स्त्री (अनु.) 1. दो या दो से अधिक मनुष्यों या पदार्थों का परस्पर बहुत अधिक मेल, मिलावट 2. सहवास, संयोग, प्रसंग।

**गटर** वि. (अं.) गंदा नाला।

**गटरमाला** स्त्री. (देश.) बड़े-बड़े दानों की माला।

**गटा पारचा** वि. (देश.) एक तरह का गोंद जो रबर की तरह कड़ा करके विभिन्न वस्तुएँ तैयार करने में प्रयुक्त होता है।

**गटागट** क्रि.वि. (देश.) दे. गटगट।

**गटी** स्त्री. (तद्.) 1. गाँठ, समूह, गठरी।

**गट्ठर** पुं. (देश.) 1. बड़ी गठरी, बोझा 2. बड़े कपड़े में लपेट तथा गाँठ लगाकर बांधा हुआ सूप 3. रस्सियों आदि से बँधा हुआ सामान।

**गट्ठा** पुं. (देश.) 1. गाँठ 2. हथेली और पहुँचे के बीच का जोड़, कलाई 3. पैर की तली और तलुए

के बीच की गाँठ, टखना 4. बीज (कमल गट्टा) 5. एक प्रकार की देहाती मिठाई 6. बड़ी गठरी 7. घास लकड़ी आदि का बोझ 8. प्याज या लहसुन की गाँठ 9. जरीब का बीसवाँ भाग जो तीन गज का होता है, कट्ठा।

**गठन** पुं. (तद्.) 1. बनावट, रचना 2. अंगों का कसाव, दृढ़ता।

**गठना** वि. (तद्.) 1. दो वस्तुओं का परस्पर मिलकर एक होना, जुड़ना, सटना 2. सिलाई होना, बड़े-बड़े टाँके लगाना 3. बुनावट का दृढ़ होना।

**गठबंधन** पुं. (तद्+तत्.) 1. विवाह में एक रीति जिसमें वर और वधू के वस्त्रों के छोर को परस्पर मिलाकर गाँठ बाँधते हैं 2. पक्का रिश्ता 3. साँठ- गाँठ, गुप्त समझौता, गठबंधन।

**गठरी** स्त्री. (देश.) 1. कपड़े में बँधा हुआ सामान, बोझ 2. संचित धन, जमा की हुई संपत्ति 3. एक प्रकार की तैराकी मुहा. गठरी बाँधना- यात्रा की तैयारी करना; गठरी मारना- ठगना।

**गठरी मुटरी** स्त्री. (देश.) गठरी में बँधा हुआ सामान, यात्री का सामान।

**गठवाई** स्त्री. (देश.) गठवाने की क्रिया, भाव या मजदूरी।

**गठवाना** स.क्रि. (देश.) 1. गाँठने का काम दूसरे से कराना 2. सिलाई करवाना 3. संयोग करवाना मिलवाना।

**गठिया** स्त्री. (तद्.) 1. एक रोग जिससे जोड़ों में विशेषकर घुटनों में सूजन और पीड़ा होती है, वात रोग, संधिवात 2. टाट का वह थैला या बोरा जिसमें बैलों, घोड़ों आदि पर लादने के लिए अनाज भरा जाता है, खुरजी 3. पोटली, छोटी गठरी 4. कोरे कपड़े की थानों की बंधी हुई बड़ी गठरी 5. पौधों या वृक्षों का एक रोग जिसमें डालियों का बढ़ना बंद हो जाता है।

**गठियाना** स.क्रि. (देश.) 1. गाँठ देना, गाँठ लगाना 2. गाँठ में बाँधना, गाँठ में रखना।